**Metro News**
**01.05.2024**

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राज एक्सप्रेस | भोपाल | 01.05.2024 | 03 | भोपाल और इंदौर मेट्रो कॉरिडोर के दोनों ओर की कर रहे लोकल एरिया प्लानिंग | Neutral |

www.rajexpress.com
राज एक्सप्रेस
3
महानगर
सूर्यास्त (बुधवार): 06:48 सूर्योदय (गुरुवार): 05:46
तापमान अधिकतम 39.7° न्यूनतम 25.0°
भोपाल
बुधवार, 1 मई 2024

**सुविधाओं के लिए बदलाव :** पदयात्रियों की सुविधा के लिए दो किमी सड़क भी बनेगी, लोगों को भी लेंगे राय

# भोपाल और इंदौर मेट्रो कॉरीडोर के दोनों ओर की कर रहे लोकल एरिया प्लानिंग

● **पब्लिक इंफ्रा के साथ ही निजी पार्टनरशिप से दो बड़े प्रोजेक्ट्स लेंगे आकार**

भोपाल ■ मुक्तेश रावत

भोपाल और इंदौर में मेट्रो कॉरीडोर के दोनों ओर के क्षेत्र के विकास के लिए लोकल एरिया प्लानिंग की जा रही है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के साथ ही वहां मिक्स डेवलपमेंट यानि आवासीय, व्यवसायिक निर्माण किए जाएंगे। पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही निजी पार्टनरशिप से दो बड़े प्रोजेक्ट किए जाएंगे। पदयात्रियों की सुविधा के लिए दो किमी सड़क बनाई जाएगी। स्थानीय लोगों के सुझावों को भी प्लानिंग में शामिल किया जाएगा। भोपाल और इंदौर में मेट्रो रूट के आसपास ट्रांजिट ओरियंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) कॉरीडोर विकसित करने के लिए गजट नोटिफिकेशन की तैयारी की जा चुकी है। इसके लिए मौजूदा मास्टर प्लान में ही बदलाव किए जा रहे हैं। भोपाल मास्टर प्लान 2005 में संशोधनों की अधिसूचना कुछ महीने पहले जारी हो चुकी है। इस पर दावे, आपत्ति टाउन एंड कंट्री प्लानिंग को मिल चुके हैं। इसके लिए 50 करोड़ रुपए भी मिल चुका है।

## मेट्रो स्टेशन के पास ही होंगे घर, ऑफिस

ट्रांजिट ओरियंटेड डेवलपमेंट का मकसद उच्च क्षमता के सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो के दोनों ओर से मध्यम से उच्च घनत्व वाले आवासीय, ऑफिस, फुटकर और मिश्रित लैंड यूज को बढ़ावा देना है। इसका फायदा यह होगा कि मेट्रो रूट स्टेशन के आसपास ही लोगो के घर, ऑफिस व दुकान रहेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए टीएंडसीपी ने इस साल जनवरी में मास्टर प्लान 2005 में उपांतरण प्रस्तावित कर दावे, आपत्ति बुलाए थे। मौजूदा प्लान में अहम बदलाव यह प्रस्तावित किया गया कि मेट्रो रूट के दोनों ओर का 500 मीटर का क्षेत्र ट्रांजिट कॉरीडोर रहेगा। मास ट्रांजिट कॉरीडोर में यह सेंट्रल लाइन से 300 मीटर तक रहेगा। इसमें ही मिश्रित के साथ आवासीय व कार्यालयीन उपयोग पर जोर दिया जाएगा। वही रूट से एक हजार मीटर चौड़ाई के बेल्ट के भीतर का ट्रांजिशन क्षेत्र रहेगा। मेट्रो स्टेशनों से यहां पहुंचने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का छोटा जरिया उपलब्ध रहेगा।

## 500 मीटर से एरिया 100 मीटर कर दिया था

राज्य शासन ने टीओडी नीति वर्ष 2018 में अधिसूचित की थी। इसके आधार पर टीएंडसीपी की ओर से तैयार मास्टर प्लान 2031 के ड्राफ्ट में मेट्रो रूट के दोनों ओर के 500-500 मीटर के क्षेत्र को टीओडी कॉरीडोर के तौर पर प्रस्तावित किया था। राज्य शासन ने मसौदे के 39 बिंदुओं में संशोधन कर दिया था। टीओडी कॉरीडोर का एरिया 100-100 मीटर करने का प्रस्ताव दिया था। इसके पीछे शासन की ओर से वजह बताई गई कि 500 मीटर के प्रावधान से 2398.19 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बड़े स्तर पर सघन निर्माण के साथ वाणिज्यिक गतिविधियों संचालित होगी। इससे वर्तमान शहरी अधोसंरचना जैसे सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी आदि पर दबाव पड़ेगा। वैसे भी मेट्रो रेल का प्रभाव क्षेत्र इतना बड़ा नही होता है। ऐसे में टीओडी कॉरीडोर को 500 मीटर की जगह 100 मी करना प्रस्तावित है। इसके लिए 514.25 हेक्टेयर क्षेत्रफल निर्धारित किया गया है। इस क्षेत्र में मिक्स लैंडयूज के निर्माण हो सकेंगे यानि आवासीय व व्यावसायिक प्रॉपर्टी साथ होंगी। हालांकि, विवादित बदलावों की वजह से शासन ने इस साल यह मसौदा लौटा दिया था।

**MP METRO NEWS**
**03rd May 2024**

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 02 | पत्रिका | भोपाल | 03.05.2024 | 03 | मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट | Neutral |

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, शुक्रवार 03 मई 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 03 | दैनिक जागरण | भोपाल/इंदौर | 04.05.2024 | 07 | मेट्रो प्रोजेक्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर बहस पूरी, आदेश रिज़र्व | Neutral |



# मेट्रो प्रोजेक्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर बहस पूरी, आदेश रिजर्व

## प्रोजेक्ट की खामियों को लेकर लगी है जनहित याचिका

**जागरण, इंदौर।** मेट्रो प्रोजेक्ट को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर शुक्रवार को बहस पूरी हो गई। कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। आदेश जारी होने के बाद ही तय होगा कि मेट्रो के वर्तमान रूट में कोई बदलाव होगा या नहीं और क्या कोर्ट मेट्रो के कामकाज पर निगरानी के लिए कोई कमेटी गठित करेगी। हाईकोर्ट में यह जनहित याचिका राजलक्ष्मी फाउंडेशन ने दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया पैरवी कर रहे हैं। शुक्रवार को युगलपीठ के समक्ष हुई बहस में उन्होंने कहा कि मेट्रो प्रोजेक्ट में कई खामियां हैं। शहर में इस प्रोजेक्ट की जिस क्षेत्र में आवश्यकता है, वहां छोड़कर इसे ऐसे क्षेत्रों से गुजारा जा रहा है, जहां मेट्रो की उपयोगिता ही नहीं है।

अब तक लवकुश चौराहा, रेडिसन चौराहा, विजय नगर क्षेत्रों में मेट्रो का काम हुआ है। इन सभी क्षेत्रों में सड़कें चौड़ी हैं। यही वजह है कि इन क्षेत्रों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम करते हुए यातायात की कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई, लेकिन मेट्रो कंपनी ने एमजी रोड क्षेत्र में मेट्रो को जमीन के भीतर से ले जाने की योजना बनाई है। अगर ऐसा होता है तो एमजी रोड को निर्माण के दौरान पूरी तरह से बंद करना होगा।

### शहरवासियों से नहीं लिए गए कोई सुझाव

याचिका में यह भी कहा है कि मेट्रो को ऐसे क्षेत्रों से गुजारा जाना चाहिए, जहां इसकी उपयोगिता अधिक होगी। मेट्रो प्रोजेक्ट को स्कीम 140 होते हुए एमवाय होते हुए रीगल तक लाया जाना ज्यादा उपयोगी नजर आता है, क्योंकि स्कीम 140 में निर्माणाधीन नया जिला न्यायालय और एमवायएच दोनों ही जगह बड़ी संख्या में आमजन का आनाजाना रहेगा। याचिका में यह भी कहा है कि मेट्रो शहरवासियों के लिए लाई जा रही है, लेकिन शहरवासियों से ही इसके संबंध में कोई सुझाव नहीं लिए गए। कोर्ट अगर एक कमेटी गठित कर दे तो इसकी निगरानी अच्छे से हो सकेगी। याचिका का विरोध करते हुए शासन का कहना है कि बारीकी से अध्ययन के बाद ही इस प्रोजेक्ट को लाया गया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया।

**MP METRO NEWS**
**06th May 2024**

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 04 | नई दुनिया | भोपाल | 06.05.2024 | II | सुभाष नगर डिपो से आरकेएमपी तक मेट्रो मेन लाईन की टेस्टिंग | Positive |

II नवदुनिया
भोपाल, सोमवार, 06 मई, 2024
भोपाल सिटी
www.naidunia.com

# सुभाष नगर डिपो से आरकेएमपी तक मेट्रो मेन लाइन की टेस्टिंग

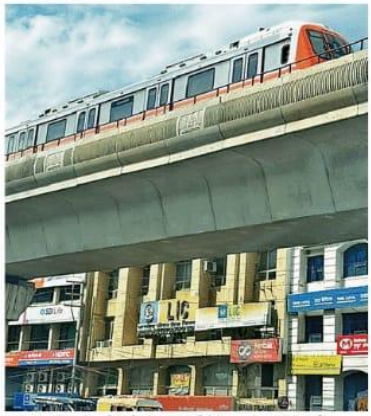

सुभाष नगर से आरकेएमपी के बीच ट्रैक पर चलती मेट्रो। ● सौजन्य: मेट्रो कंपनी

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : भोपाल मेट्रो के सितंबर से शुरू करने की कवायद के बीच रविवार को पहले रूट की मेन लाइन की टेस्टिंग का काम किया गया। अब शहरवासियों को आए दिन सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन (आरकेएमपी) तक ट्रैक पर मेट्रो चलती दिखाई देगी। हालांकि इसके पहले भी कई बार मेन लाइन टेस्टिंग हो चुकी है। इसके अलावा डिपो में भी मेट्रो की टेस्टिंग रोज की जाती है, लेकिन जैसे-जैसे पहले चरण का काम पूरा हो रहा है। वैसे-वैसे मेट्रो को ट्रैक पर टेस्टिंग के लिए उतारा जा रहा है।

MP METRO NEWS
09th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 05 | दैनिक भास्कर | भोपाल | 09 .05.2024 | 02 | ट्रायल का एक ओर दौर.. 10 से 25 किमी की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो | Positive |

दैनिक भास्कर भोपाल 09-05-2024 Pg-02

## ट्रायल का एक और दौर... 10 से 25 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो

# सुभाष नगर से आरकेएमपी तक लगाए 4 फेरे, ब्रेकिंग टेस्टिंग सफल, ऐसे ही 6 टेस्ट और होंगे

इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | भोपाल

बुधवार को मेट्रो रेल के ब्रेकिंग सिस्टम का ट्रायल किया गया। इसके लिए मेट्रो रेल के सुभाष नगर स्थित डिपो से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच पांच फेरे लगाए गए। इस दौरान ट्रेन को 10 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलाया। इस दौरान अलग-अलग स्पीड पर ब्रेक लगाकर देखे गए। बताया गया है कि टेस्टिंग के दौरान टेक्निकल टीम ने इसे सभी पैरामीटर पर सही पाया है। हालांकि, यह मेट्रो रेल जिनमें यात्रियों को सफर करना है उसका ट्रायल है। ऐसे 6 टेस्ट और होंगे। ट्रायल के लिए मेट्रो को अब तक 150 किमी चला चुके हैं।

### आगे की यह भी तैयारी

**तब 80 की स्पीड से दौड़ेगी मेट्रो**

बताया गया है कि मेट्रो रेल को पेसेंजर लोड के साथ चलाने से पहले फाइनल ट्रायल होगा। तब ट्रेन को 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से करीब 3 हजार किमी चलाकर देखा जाएगा।

**जुलाई में आएगी अगली खेप**

भोपाल में कुल 27 मेट्रो आनी हैं। अब तक 5 मेट्रो रेल आ चुकी हैं। इनको सुभाष नगर स्थित डिपो में खड़ा किया गया है। अगली खेप जुलाई में आ सकती है।

**80** की स्पीड से जब ट्रायल होगा तो इसे 5-6 दिन लगातार किया जाएगा।

**MP METRO NEWS**
**12th May 2024**

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 06 | नव दुनिया | भोपाल | 12 .05.2024 | 02 | पुलबोगदा क्षेत्र मे बनेगा मेट्रो का जंक्शन जून-जुलाई तक शुरू हो जाएगा काम | Positive |

नवदुनिया
भोपाल, रविवार, 12 मई, 2024



# पुल बोगदा क्षेत्र में बनेगा मेट्रो का जंक्शन जून-जुलाई तक शुरू हो जाएगा काम

## तैयारी ● साल के अंत तक चल सकती है प्रायरिटी लाइन पर मेट्रो, टेस्टिंग जारी

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत पुल बोगदा में मेट्रो का जंक्शन बनाया जाएगा। यह काम जून-जुलाई में शुरू किया जा सकता है। फिलहाल जंक्शन बनाने के लिए भोपाल मेट्रो द्वारा सर्वे किया जा रहा है। इसके लिए टेंडर हो चुके हैं। सर्वे के बाद जंक्शन बनाने का काम शुरू होगा।

साथ ही पुल बोगदा से लेकर करोंद तक मेट्रो के लिए ट्रैक बनाने का काम भी जल्द शुरू होने वाला है। वहीं शहरवासियों के लिए एक खुशी की खबर यह है कि साल के अंत तक सुभाष नगर डिपो से लेकर एम्स तक मेट्रो ट्रेन शुरू हो सकती है। प्रायरिटी लाइन के प्रोजेक्ट का काम लगभग पूरा हो चुका है।

**अब पुल बोगदा से करोंद तक बनेगा ट्रैकः** अब पुल बोगदा से करोंद तक भोपाल मेट्रो के तहत ट्रैक बनाने का काम भी जल्द शुरू होने वाला है। इस दौरान दो अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। एक मेट्रो स्टेशन नादरा बस स्पाट के पास बनेगा और दूसरा भोपाल रेलवे स्टेशन के पास। यह रूट करीब 16.5 किलोमीटर का है। इसके बनने के बाद करोंद के रहवासी मेट्रो में सफर करके आसानी से एम्स तक पहुंच सकेंगे।

भोपाल में मेट्रो का कार्य प्रगति पर है। इसे लेकर प्रतिदिन प्रायोरिटी कारीडोर पर मेट्रो को चलाकर देखा जा रहा है। ● नवदुनिया

**कमर्शियल रन की तैयारी :** साल के अंत तक कमर्शियल रन शुरू होगा, । इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। डिपो पर रोजाना मेट्रो को चलाया जाता है। मेन लाइन पर टेस्टिंग जारी है। प्रायरिटी लाइन के सारे काम होने के बाद कमर्शियल रन सुभाष नगर डिपो से लेकर एम्स तक शुरू किया जाएगा।

पुल बोगदा से लेकर करोंद तक ट्रैक और जंक्शन बनाने के टेंडर हो चुके हैं। सर्वे का बाद काम शुरू होगा। मेट्रो के पांच-छह स्टेशन बन चुके हैं। जल्द ही पूरा काम होने के बाद प्रायरिटी लाइन पर कमर्शियल रन होगा।

– सिबी चक्रवर्ती,
प्रबंध संचालक, मप्र मेट्रो

MP METRO NEWS
14th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 07 | पत्रिका | भोपाल | 14.05.2024 | 02 | अलवर से ये स्टील के पार्ट्स अब बनने लगे गर्डर, इन्ही पर दौड़ेगी मेट्रो | Neutral |

पत्रिका

देय होगी।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट: गणेश मंदिर रेलवे लाइन पार कराने की कवायद

# अलवर से आए स्टील के पार्ट्स अब बनने लगे गर्डर, इन्हीं पर दौड़ेगी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन को गणेश मंदिर रेलवे लाइन पार कराने अलवर से आए स्टील के पार्ट्स अब गर्डर का स्वरूप लेने लगे हैं। अगले एक से डेढ़ माह में गर्डर पूरी तरह तैयार हो जाएगी, इसके बाद यहां मेट्रो ट्रैक का काम होगा।

## ऐस समझें मेट्रो गर्डर

**432** भागों में अलवर से आई है लोहे की गर्डर

**626** मीट्रिक टन वजनी है गर्डर

**45** से अधिक लोहे के अस्थाई खंभो पर ब्रिज कस रहे

**40** से अधिक कारीगर कर रहे हैं असेम्बल

**15** मी. ऊंचाई पर तैयार हो रहा है 113 मी. गर्डर

**01** मार्च से गर्डर लांच करने लिया जा रहा ब्लॉक

**15** जून के बाद ही ब्लॉक खुलने की उम्मीद

**32 खंभे खड़े** साकेत नगर डीआरएम ऑफिस की ओर रेलवे ओवरब्रिज का काम चल रहा है। ओवरब्रिज के लिए लोहे के 32 खंभे खड़े किए गए हैं। अलवर से गर्डर को 432 भागों में भोपाल लाया गया है। इनकी खंभों पर ही असेंबलिंग हो रही है। रेलवे से दो घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान रेलवे लाइन के उपर इन्हें खंभों पर ही खिसकाते हुए लाया जाएगा।

14/05/2024 | Bhopal | Page : 2
Source : https://epaper.patrika.com/

**MP METRO NEWS**
**15th May 2024**

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 08 | दैनिक जागरण | भोपाल | 15.05.2024 | 12 | पुल बोगदा मे बनेगा मेट्रो का जंक्शन, जून-जुलाई तक शुरू होगा काम | Neutral |

दैनिक जागरण
भोपाल, 15 मई, 2024 विविध www.djmp.in/epaper
12

# पुल बोगदा में बनेगा मेट्रो का जंक्शन, जून- जुलाई तक शुरू होगा काम

## साल के अंत तक चल सकती है प्रायरिटी लाइन में मेट्रो

**जागरण, भोपाल।** भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत पुल बोगदा में भोपाल मेट्रो का जंक्शन बनाया जाएगा। यह काम संभवतः जून-जुलाई में शुरू किया जा सकता है। फिलहाल जंक्शन बनाने के लिए भोपाल मेट्रो द्वारा सर्वे किया जा रहा है। जंक्शन बनाने को लेकर टेंडर हो चुके हैं। सर्वे के बाद जंक्शन बनाने का काम शुरू होगा। साथ ही पुल बोगदा से लेकर करोंद तक मेट्रो के लिए ट्रक बनाने का काम भी जल्द शुरू होने वाला है। वहीं शहर वासियों के लिए एक खुशी की खबर ओर है कि साल के अंत तक सुभाष नगर डिपो से लेकर एम्स तक मेट्रो ट्रेन शुरू हो सकती है। प्रायरिटी लाइन के प्रोजेक्ट के काम लगभग पूरे हो चुके हैं।

## अब पुल बोगदा से लेकर करोंद तक बनेगा ट्रक

अब पुल बोगदा से लेकर करोंद तक भोपाल मेट्रो के तहत ट्रक बनाने का काम भी जल्द शुरू होने वाला है। इस दौरान दो अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। एक मेट्रो स्टेशन नादरा बस स्पाट के पास बनेगा और दूसरा भोपाल रेलवे स्टेशन के पास बनाया जाएगा। यह रूट करीब 16.5 किलोमीटर का है। इसके बनने के बाद करोंद के रहवासी एम्स तक मेट्रो में सफर करके आसानी से एम्स तक पहुंच सकेंगे।

## कमर्शियल रन की जोरों पर चल रही है तैयारी

भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत साल के अंत तक कमर्शियल रन शुरू हो सकता है। इसके चलते कमर्शियल रन की तैयारियां जोरों पर चल रहीं है। डिपो पर रोजाना मेट्रो को चलाया जाता है। इसके अलावा मेन लाइन पर मेट्रो को चलाकर टेस्टिंग जारी है। प्रायरिटी लाइन के सारे काम होने के बाद कमर्शियल रन सुभाष नगर डिपो से लेकर एम्स तक शुरू किया जाएगा। इसका रूट आठ किलोमीटर है। इस रन की शुरुआत पांच मेट्रो ट्रेन से होगी। वैसे प्रोजेक्ट के तहत 27 मेट्रो ट्रेनें चलाई जानी है। वर्तमान में पांच ट्रेनें आ चुकी है। एक ट्रेन में तीन कोच हैं।

पुल बोगदा से लेकर करोंद तक ट्रक और जंक्शन बनाने के टेंडर हो चुके हैं। सर्वे का बाद यह काम शुरू होंगे। प्रायरिटी लाइन के काम लगभग पूरे हो चुके हैं। मेट्रो के पांच-छह स्टेशन बन चुके हैं। जल्द ही पूरा काम होने के बाद प्रायरिटी लाइन पर कमर्शियल रन होगा।

■ **सिबी चक्रवर्ती**, प्रबंध संचालक, मप्र मेट्रो

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 09 | Free Press | Bhopal | 15.05.2024 | 3 | Metro designed to run up to 90km/hr but.... | Neutral |



BHOPAL CITY
BHOPAL | WEDNESDAY | MAY 15, 2024 www.freepressjournal.in

# Metro designed to run up to 90km/hr but...

**The train will move at speed of 70 to 80 km/hr due to shorter distance between two stations**

**Next metro likely to arrive in July**

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Bhopal Metro train has been designed in such a manner that it can run up to the speed of 90 km per hour but here the speed will be set at 70 to 80 km/hr due to shorter distance between two stations.

. The testing of five metro trains, which have arrived so far in the state capital, is undergoing in a phased manner.

An official of Madhya Pradesh Metro Rail Company Limited said that the train is designed to run up to a speed of 90 km/hour but practically it will move at a speed of 70 to 80 km/hr as the distance between the two stations is not much and the train will arrive at the next station within two minutes.

So far, five metro train sets have arrived in the city and the next set is expected in July. In all 27 sets of metro trains are scheduled to run in Bhopal.

As of now, metro authorities are focusing on testing the available trains and the same is being undertaken as per schedule. During the testing, brakes, CCTV, sound system, speed, software, announcement system etc are being checked. The testing is being done on an alternate or 2 days gap between Subash Nagar metro station and Rani Kamlapati Metro Railway Station.

An officer said the testing of the metro train is being done by the Alstom Company- it is the same company which manufactured the Metro train.

" During the testing, the focus is entirely on the first set of train which has arrived. Its entire systems and software are being checked. If all the tests are successful then the same software is installed in the other trains," he said. It is learnt that during the testing, the metro train speed limit is set between 25 and 30 km/per hour and gradually the limit will be increased.

MP METRO NEWS
17th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 10 | दैनिक भास्कर | भोपाल | 17.05.2024 | J2 | पहली बार.. मेट्रो का ट्रायल 60 किमी की स्पीड से, पूरे स्ट्रक्चर की टेस्टिंग | Positive |

दैनिक भास्कर भोपाल 17-05-2024 Pg-J2

सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक

# पहली बार... मेट्रो का ट्रायल 60 किमी की स्पीड से, पूरे स्ट्रक्चर की टेस्टिंग

विशेष संवाददाता | भोपाल

गुरुवार को भोपाल मेट्रो का एक बार फिर से ट्रायल रन हुआ। इस दौरान मेट्रो की स्पीड 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक रखी गई। इस स्पीड पर पूरे मेट्रो के स्ट्रक्चर का एक तरह से परीक्षण कर लिया गया।

गुरुवार को हुआ मेट्रो का ट्रायल सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक किया गया। मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक इस तरह के ट्रायल आगे भी चलते रहेंगे। मेट्रो के अब तक हुए ट्रायल रन 25 से 30 किलोमीटर की स्पीड पर ही हुए हैं। प्रोजेक्ट पूरा होने पर मेट्रो इसी स्पीड पर दौड़ेगी। कुछ दिनों पहले भी मेट्रो का ट्रायल रन हुआ था।

एमपी मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर सीबी चक्रवर्ती ने कहा कि गुरुवार का ट्रायल साथ पहली बार 60 किलोमीटर की स्पीड से हुआ।

## मेट्रो स्टेशनों पर दुकानों, फूड प्लाजा की भी प्लानिंग

इस समय मेट्रो कॉरपोरेशन भोपाल में 6.22 किलोमीटर लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर पर काम कर रहा है। यह सुभाष नगर से लेकर एम्स तक फैला हुआ है। सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी मॉल के सामने, आर के एमपी और एमपी नगर के मेट्रो स्टेशन लगभग 90% पूरे हो चुके हैं। डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स के स्टेशनों पर 60 से 70% कम हो चुका है। मेट्रो स्टेशनों पर फूड प्लाजा सहित अन्य दुकायों की योजना बनाई जा रही है ताकि मेट्रो में सफर करने वालों को अतिरिक्त सुविधाएं मिल सकें।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 11 | पत्रिका | भोपाल | 17.05.2024 | 02 | जनवरी 2025 मे प्राइऑरटी कॉरिडोर मे शुरू होगा कमर्शियल रन | Positive |

BHOPAL PRIME भोपाल प्राइम
पत्रिका भोपाल, शुक्रवार 17 मई 2024 02

#MetroProject लेटलतीफी की वजह से फिर से तिथियों में बदलाव

# जनवरी 2025 में प्रायोरिटी कॉरीडोर में शुरू होगा कमर्शियल रन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट को मई-जून 2024 तक शुरू करने की घोषणा हवा-हवाई साबित हुई है। मेट्रो रेल कारपोरेशन के काम की गति और स्थिति को देखते हुए प्रायोरिटी कॉरीडोर में कमर्शियल रन की संभावित तारीख अब 2025 के पहले माह यानी जनवरी तक बढ़ा दी गयी है। अभी कई श्रेणी में काफी कम काम हुआ है। इसलिए यह स्थिति बनी है।**

## ऐसे बढ़ता गया समय

- दिसंबर 2022 में 6.22 किमी कॉरीडोर का काम पूरा करना था, जो नहीं हुआ।
- सितंबर 2023 में प्रायोरिटी कॉरीडोर में कमर्शियल रन का दावा था, लेकिन अक्टूबर में ट्रायल हुआ।
- अप्रेल-मई 2024 में कमर्शियल रन से यात्रियों को बैठाना था, लेकिन नहीं हुआ।
- दिसंबर 2024 व जनवरी 2025 में कमर्शियल रन का दावा किया जा रहा है।

**मेट्रो काम के लक्ष्य-स्थिति**

- सितंबर 2024 में प्रायोरिटी कॉरीडोर रानी कमलापति से एम्स के बीच काम पूरा कर परीक्षण शुरू करेंगे। इसमें चार किमी का ट्रायल अक्टूबर 23 में हो चुका है।
- 247 करोड़ रुपए से 6.225 किमी वायाडक्ट का काम नवंबर 2018 में शुरू हुआ था। रेलवे स्पैन ब्रिज को छोडकर काम 97.38 फीसदी हो गया। अगस्त 2024 में बाकी काम हो जाएगा।
- सुभाष मेट्रो स्टेशन से एम्स तक आठ मेट्रो एलीवेटेड स्टेशन में से पांच का काम हुआ, जबकि तीन का बाकी है। इसमें 62.85 फीसदी प्रगति है।
- मेट्रो ट्रेन डिपो के लिए 338.09 करोड़ रुपए काम मार्च 2022 से शुरू किया गया था। यहां 40 फीसदी काम ही हो पाया है।

## स्टेशन में फूड प्लाजा

मेट्रो स्टेशन के अंदर फूड प्लाजा और कुछ शॉप भी रहेंगी। जहां खाने-पीने और जरूरत का सामान भी मिलेगा। एमडी ने एक्सपर्ट से चर्चा के बाद यह बात बतायी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि स्टेशनों से रेवेन्यू जनरेट हो सके। फूड प्लाजा, बैंकों के एटीएम के साथ शॉप के लिए भी जगह रहेगी।

मेट्रो के काम की गति और स्थिति के अनुसार ही आगे के काम को पूरा करने की तारीखें तय की जा रही हैं। कोशिश है जल्द से जल्द कमर्शियल रन शुरू हो जाए।

**सीबी चक्रवर्ती,**
एमडी मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन

MP METRO NEWS
18th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 12 | नवदुनिया | भोपाल | 18.05.2024 | 02 | पहली बार मेट्रो ने भरी 80 की रफ़्तार | Positive |



# पहली बार मेट्रो ने भरी 80 की रफ्तार

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : राजधानी में मेट्रो का सफर और मजबूत होता जा रहा है, शुक्रवार को पहली बार 80 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन किया गया। हालांकि गुरुवार को ही मेट्रो को इस प्रायोरिटी कारिडोर पर 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलाया गया था। मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर सिबी चक्रवर्ती ने बताया कि मेट्रो का जो डिजाइन किया गया है। उस हिसाब से मेट्रो की निर्धारित स्पीड 90 किमी प्रति घंटा है, लेकिन हर दो किमी की दूरी पर मेट्रो स्टेशन होने के कारण मेट्रो 80 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से ही चल पाएगी।

बता दें कि इससे पूर्व जितने भी ट्रायल रन हुए वे 10 से 15 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार पर हुए। यह पहला मौका है, जब मेट्रो 80 किमी की रफ्तार से चलाई गई। इसके लिए मैनेजिंग डायरेक्टर ने पूरी टीम को बधाई दी है।

## सुभाष नगर से रानी कमलापति के बीच हुआ ट्रायल रन

प्रायोरिटी कारिडोर में 80 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ती मेट्रो ट्रेन। • नवदुनिया

रफ्तार देखते रह गए लोगः मेट्रो का ट्रायल रन देखने का अनुभव शहरवासियों के लिए बिल्कुल नया था। पहली बार मेट्रो को उन्होंने ट्रैक पर इतनी गति से चलता हुआ देखा। पल भर में मेट्रो ट्रेन सुभाष नगर से रानी कमलापति पहुंच गई थी। यह देख शहरवासी आश्चर्यचकित हुए। हालांकि गुरुवार को भी जब मेट्रो 60 किमीकी रफ्तार से निकली थी। तब भी लोग देखकर दंग रह गए थे।

## आगे भी जारी रहेगा ट्रायल रन

6.22 किलोमीटर के लंबे प्रायोरिटी कारिडोर पर आगे भी ट्रायल रन जारी रहेगा। भोपाल मेट्रो कारपोरेशन के अनुसार सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी माल के सामने आरके एमपी और एमपी नगर के मेट्रो स्टेशन लगभग 90 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं। डीआरएम आफिस, अलकापुरी और एम्स के स्टेशनों पर 40 से 30 प्रतिशत काम शेष है। स्टेशन का काम पूरा होते ही प्रायोरिटी कारिडोर पर कमर्शियल रन शुरू हो जाएगा।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 13 | पत्रिका | भोपाल | 18 .05.2024 | 02 | ट्रायल : मेट्रो ने पकड़ी 80 की स्पीड | Positive |

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, शनिवार, 18 मई 2024

# ट्रायल : मेट्रो ने पकड़ी 80 की स्पीड

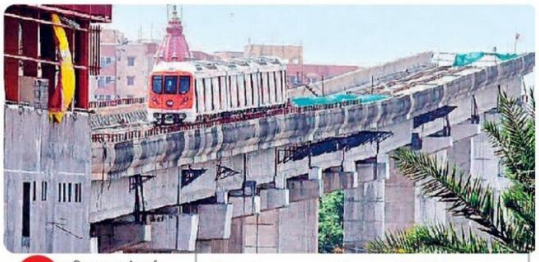

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**भोपाल @ पत्रिका.** मेट्रो ट्रेन रानी कमलापति से सुभाष मेट्रो स्टेशन के बीच इन दिनों विभिन्न ट्रायल से गुजर रही है। शुक्रवार को स्पीड ट्रायल में मेट्रो ट्रेन को 80 किमी प्रतिघंटा की गति से दौड़ाया गया। बीते पंद्रह दिन से एक दिन छोडकर इसका ट्रायल जारी था। शुरुआत में 30 किमी प्रतिघंटा की गति से ट्रेन चली थी। इसके बाद गति बढ़ाते हुए 50 से 60 किमी तक दौड़ाया गया। शुक्रवार को इसे 80 किमी प्रतिघंटा की गति से चलाया गया।

## 81 कोच गुजरात के सारणी में तैयार

मेट्रो ट्रेन के ड्राइवर अल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट कंपनी के ही कर्मचारी हैं। मेट्रो ट्रेन के रैक के साथ ही कंपनी ने इनके संचालन और रखरखाव के लिए अपनी पूरी टीम भोपाल भेजी हुई है। अब तक यहां पांच रैक पहुंच गए हैं। इनका बारी-बारी से यहां ट्रायल हो रहा है। कुल 27 रैक यानि 81 कोच भोपाल के लिए गुजरात के सारणी में तैयार हो रहे हैं। इस साल दिसंबर तक मेट्रो ट्रेन के एम्स से सुभाष ब्रिज तक के निर्माण काम पूरे होंगे और उसके बाद ही इन ट्रेनों में आमजन यात्रा कर पाएंगे। एमडी मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन सीथी चक्रवर्ती ने 80 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से मेट्रो ट्रेन के दौड़ने पर सबको बधाई दी।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 14 | हरि भूमि | भोपाल | 18.05.2024 | 01 | सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच 80 की स्पीड में दौड़ी मेट्रो | Positive |

हरिभूमि

# भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शनिवार 18 मई 2024

3

## सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच 80 की स्पीड में दौड़ी मेट्रो

**भोपाल।** गुरुवार को ट्रायल रन के बाद शुक्रवार को मेट्रो की स्पीड बढ़ाकर दौड़ाई गई। मेट्रो ट्रैक पर जिसकी स्पीड 80 किमी प्रतिघंटा रखी गई। इससे पहले गुरुवार को रफ्तार 60 किमी प्रतिघंटा थी। यह ट्रायल रन सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच किया गया। तीन अक्टूबर 2023 को हुए मेट्रो के ट्रायल रन के बाद से लगातार ट्रेन को मुख्य ट्रैक पर लाया जा रहा है। इसके पहले हुए ट्रायल 25 से 30 किलोमीटर की स्पीड पर हुए हैं, लेकिन शुक्रवार को 80 किमी की स्पीड से ट्रायन रन हुआ। इसके साथ मेट्रो के स्टेशन और पूरे स्ट्रक्चर की टेस्टिंग भी की जा रही है।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 15 | दैनिक जागरण | भोपाल | 18.05.2024 | 03 | 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से दौड़ी मेट्रो, प्रायोरिटी कॉरिडोर में टेस्टिंग | Positive |

दैनिक जागरण
भोपाल, 18 मई 2024

राजधानी जागरण 03

# 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो, प्रायोरिटी कॉरिडोर में टेस्टिंग

**जागरण प्रतिनिधि, भोपाल।** मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर सुभाष नगर से लेकर एम्स तक है, कॉरिडोर में सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन का ट्रायल लगातार जारी है। शुक्रवार को इस कॉरिडोर पर मेट्रो ट्रेन को 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया गया। इस दौरान भोपाल मेट्रो के अधिकारियों ने स्ट्रक्चर की टेस्टिंग की। गुरुवार को इस ट्रेक पर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलाई गई थी। बता दें कि सुभाष नगर में बनाए गए डिपो में अब तक 5 मेट्रो ट्रेने पहुंच गई हैं। गुजरात के सांवली वडोदरा से ट्राले पर मेट्रो ट्रेनों को भोपाल पहुंचाया गया है। यहां ट्रेनों की टेस्टिंग की जा रही है। डिपो में टेस्टिंग के बाद ट्रेनों को ट्रेक पर दौड़ाया जा रहा है। भोपाल मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि हर ट्रेन को कमर्शियल रन से पहले 2000 किलोमीटर चलाकर टेस्ट किया जाता है।

## जल्द शुरू होगा कमर्शियल रन

भोपाल में मेट्रो का 6.22 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर है। अगले कुछ महीनों में कमर्शियल रन शुरू करने का प्लान है। यही वजह है कि इस ट्रेक पर टेस्टिंग तेजी से की जा रही है। मेट्रो स्टेशन को भी एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाया जा रहा है। जहां फूड प्लाजा और दुकानें भी होंगी। मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक, 3 अक्टूबर 2023 को मेट्रो का पहली बार ट्रायल रन हुआ था। इसके बाद से लगातार ट्रेन को टेस्ट और मुख्य ट्रैक पर लाया जा रहा है। अभी तक हुए ट्रायल रन 25 से 30 किलोमीटर की स्पीड पर ही हुए हैं, लेकिन गुरुवार को 60 यद्द और शुक्रवार को 80 यद्द की स्पीड से ट्रायल रन हुआ।

## एमडी ने दी अफसरों को बधाई

कमर्शियल रन के दौरान मेट्रो ट्रेन को 80 से 90 किलोमीटर की रफ्तार से ही दौड़ाया जाता है। ऐसे में भोपाल मेट्रो की टेस्टिंग 80 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से की जा चुकी है। टेस्टिंग सफल होने पर भोपाल मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर सीबी चक्रवर्ती ने अपनी टीम को बधाई दी। बता दें कि प्रायोरिटी कॉरिडोर में पांच स्टेशन- सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी के सामने, एमपी नगर और रानी कमलापति स्टेशन 90त तक पूरे हो चुके हैं, जबकि डीआरएम चौराहा, एम्स और अलकापुरी में भी 60 से 70त तक का काम कम्प्लीट है। इसी बीच इन स्टेशनों से रेवेन्यू जनरेट करने के लिए प्लान भी तैयार किए जाने लगे हैं।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 16 | नवभारत | भोपाल | 18.05.2024 | 03 | राजधानी में रोज़ दौड़ेगी मेट्रो | Positive |

अपना शहर

नवभारत 03
भोपाल, शनिवार 18 मई, 2024

# राजधानी में रोज दौड़ेगी मेट्रो

## पहली बार 80 किलोमीटर की रफ्तार से हुआ ट्रायल, एमडी ने किया सफल परीक्षण

**सुभाष फाटक से रानी कमलापति तक दौड़ेगी शुरू**

**80 किमी की रफ्तार से दौड़ते मेट्रो को देखने उमड़ा हुजूम**

नवभारत न्यूज

**भोपाल, 17 जून. आखिर बहुप्रतिक्षित भोपाल मेट्रो शुक्रवार से सुभाष फाटक से रानी कमलापति तक दौड़ना शुरू कर दिया है. शुक्रवार को पहली बार 80 किमी की रफ्तार से दौड़ते मेट्रो को देखने लोगों का हुजूम लग गया. सुभाष फाटक के फ्लायओवर पर कई वाहन चालक गाड़ियां खड़ी कर उत्सकुता से मेट्रो को देखने खड़े रहे.**

हालांकि तेज रफ्तार मेट्रो महज 30-40 सेकंड में प्रायोरिटी कारिडोर में सुभाष फाटक से निकल चुकी थी, इसके साथ ही राजधानी के लोगों को अब मेट्रो में सफर करने का इंतजार शुरू हो गया है. मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर सिबी चक्रवर्ती ने बताया कि शुक्रवार सुबह पहली बार मेट्रो ट्रेन को 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया है, हालांकि इसके एक दिन पहले ही मेट्रो को प्रायोरिटी कारिडोर पर 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलाए थे. वही दो माह पूर्व हुए ट्रायल में 10-15 किमी की रफ्तार थी.

उन्होंने कहा कि मेट्रो का जो डिजाइन किया गया है, उस हिसाब से मेट्रो की निर्धारित स्पीड 90 किलोमीटर प्रति घंटा है, लेकिन भोपाल में हर दो किलोमीटर की दूरी पर मेट्रो स्टेशन होने से 80 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से ही चल पाएगी.

तेज स्पीड से सफलता पूर्वक चलने के लिए मेट्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर ने पूरी टीम को बधाई दी है.

### एमपी नगर के मेट्रो स्टेशन का काम 90 प्रतिशत पूरा

चक्रवर्ती ने बताया कि 6.22 किलोमीटर के लंबे प्रायोरिटी कारिडोर पर शनिवार को भी आगे भी ट्रायल रन जारी रहेगा. उन्होंने बताया कि सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी माल के सामने आरके एमपी और एमपी नगर के मेट्रो स्टेशन लगभग 90 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं. डीआरएम आफिस, अलकापुरी और एम्स के स्टेशनों पर 40 से 30 प्रतिशत काम शेष है. स्टेशन का काम पूरा होते ही प्रायोरिटी कारिडोर पर कमर्शियल रन शुरू हो पाएगा.

### शहरवासियों के लिए नया अनुभव

शुक्रवार को जो ट्रायल रन हुआ, वह शहरवासियों के लिए बिल्कुल नया था. सुभाष फ्लॉयओवर पर खड़े शरीफ खान ने कहा कि मेट्रो की स्पीड इतनी अधिक थी, पर हमें पल भर के लिए देखने मिला. मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार महज 8 से 10 मिनट में ही ट्रेन सुभाष नगर से रानी कमलापति पहुंच गई थी.

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 17 | Free Press | Bhopal | 18.05.2024 | 04 | Metro achieves speed of 80 km/ hr for first time | Positive |

BHOPAL CITY 04
BHOPAL | SATURDAY | MAY 18, 2024 www.freepressjournal.in

# METRO ACHIEVES SPEED OF 80 KM/ HRS FOR FIRST TIME

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

In the trial run, Bhopal metro train successfully achieved the operational speed of 80 km per hour on Friday. This is for the first time that the metro train ran on at such a high speed. A top speed of 90 km per hour has been set for the Bhopal Metro.

Source in the Madhya Pradesh Metro Train Corporation told Free Press that a trial run was conducted at a priority corridor situated between Subash Nagar Metro station and Rani Kamlapati Railway Station. Managing director of Metro Rail Corporation Limited, Sibi Chakravarthy congratulated the entire team of metro trains for a successful trial run.

When the first metro arrived, it was put on a speed trial ranging between 10 and 15 km per hour. In the subsequent trail runs, metro train speed was gradually increased to 20-25 km per hour and more in subsequent trials .

During the trial run, every system and software was checked thoroughly. Along with speed, the braking system, announcement system, CCTV, gate

opening and closing system etc were checked thoroughly.

When the train ran at the 80 km per hour speed, its video recording was done. Every detail of the functioning of various systems was noted down during the speed trial of the metro train.

On successful completion of the speed trail, the same type of software will be uploaded in the remaining metro trains.

As of now, Bhopal is having five sets of Metro trains and various functions of them are being checked. It is a metro train manufacturing company Alstom is doing various tests of training including an announcement system. Total 27 metro trains are proposed to run in the state capital.

MP METRO NEWS
20th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 18 | पत्रिका | भोपाल | 20.05.2024 | 02 | 8वें स्टेशन का 1368 वां गर्डर लॉन्च | Neutral |

पत्रिका

## मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट: गणेश मंदिर से साकेत नगर के बीच आरओबी निर्माण

# 8वें स्टेशन का 1368वां गर्डर लॉन्च

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**भोपाल.** मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत एम्स से सुभाष ब्रिज तक आठ मेट्रो स्टेशन में 1368वां गर्डर रविवार को लॉन्च कर दिया है।

अल्कापुरी मेट्रो स्टेशन पर लॉन्च होने वाला यह अंतिम गर्डर था। गणेश मंदिर से साकेत नगर के बीच मेट्रो आरओबी का काम चल रहा हैं। इस पर 113 मीटर की फेब्रिकेटेड गर्डर पीलर्स पर ही तैयार की जा रही हैं। इसे लॉन्च करने के बाद सुभाष नगर से एम्स के बीच 6.22 किमी का मेट्रो ट्रेक तैयार हो जाएगा। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती ने टीम को बधाई दी।

## इधर, डायवर्जन: आरकेएमपी का रास्ता बंद

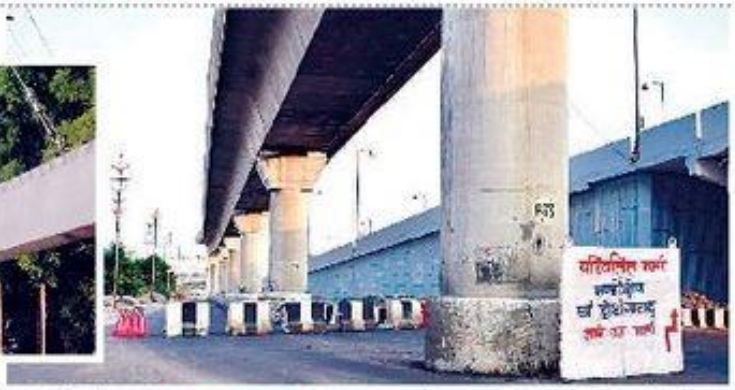

मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्य के चलते रानी कमलापति स्टेशन प्लेटफार्म नंबर एक का रास्ता डायवर्ट किया गया है। पुलिस प्रशासन के अनुसार ये रास्ता दिन में जरूरत के हिसाब से बंद व खोला जाएगा।

## 5 लाख वाहनों की आवाजाही

एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस और चेतक ब्रिज से आने वाले दोनों रास्तों से प्रतिदिन नर्मदापुरम रोड की तरफ 5 लाख से ज्यादा वाहन गुजरते हैं। दोनों प्रमुख मार्ग बंद होने से लाखों की संख्या के यही वाहन अब कॉलोनी के अंदर के रास्तों से होकर जैसे तैसे सावरकर सेतु तक आएंगे। हबीबगंज नाका की तरफ से अभी यही वाहन अवधपुरी अलकापुरी तरफ के रास्ते से होकर आरआरएल तिराहे तक पहुंच रहे हैं।

20/05/2024 | Bhopal | Page : 2
Source : https://epaper.patrika.com/

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 19 | पीपुल्स समाचार | भोपाल | 20.05.2024 | 03 | मेट्रो प्रोजेक्ट: प्राइऑरटी कॉरीडोर के आठ स्टेशन पर गर्डर लांचिंग का काम पूरा | Neutral |

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी Page: 3 May 20, 2024

# मेट्रो प्रोजेक्ट : प्रॉयोरिटी कॉरिडोर के आठ स्टेशनों पर गर्डर लॉन्चिग का काम पूरा

## अब ट्रैक बिछाने, सिविल और इंटीरियर संबंधी काम जल्द शुरू किए जाएंगे

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9300697983

राजधानी में जून में मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में मेट्रो का काम फुल स्पीड से चल रहा है। इसी कड़ी में प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का आखिरी गर्डर रविवार को अलकापुरी स्टेशन पर लॉन्च कर दिया गया।

कॉरिडोर में बनने वाले आठ स्टेशनों को आकार देने के लिए मेट्रो ने 1368 गर्डर लॉन्च किए हैं। गर्डर लॉन्चिंग के बाद अब अलकापुरी से एम्स और डीआरएम ऑफिस तक ट्रैक बिछाने के साथ ही बाकी सिविल वर्क शुरू किया जाएगा। सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो प्रॉयोरिटी कॉरिडोर बनाया गया है, जिसकी लंबाई 6.22 किमी है।

प्रॉयोरिटी कॉरिडोर के तहत अल्कापुरी स्टेशन पर रविवार को आखिरी गर्डर लॉन्च किया गया।

**गार्डर लॉन्चिग के बाद क्या होगा :** अधिकारियों ने बताया कि स्टेशनों पर गर्डर लॉन्चिग के बाद अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस स्थित स्टेशनों पर 40 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। अब यहां मेट्रो ट्रैक बिछाने, सिविल और इंटीरियर संबंधी बाकी काम किए जाएंगे।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 20 | नव दुनिया | भोपाल | 20.05.2024 | 02 | भोपाल मेट्रो का रखा गया अंतिम गर्डर | Neutral |



# भोपाल मेट्रो का रखा गया अंतिम गर्डर

## प्रोजेक्ट में अब अंदर के काम पकड़ेंगे रफ्तार

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भोपाल मेट्रो के तहत निर्माणाधीन अलकापुरी स्टेशन पर शनिवार-रविवार दरमियानी रात को आखिरी 1368वां गर्डर रखा गया। इस गर्डर के रखने के साथ ही प्रायोरिटी कारिडोर में रोड के काम लगभग पूरे हो चुके हैं। लिहाजा अब स्टेशनों के अंदर के काम में तेजी आएगी। भोपाल मेट्रो के अनुसार ब्लाक वाल, लिफ्ट, एस्केलेटर, स्टेयर, एंट्री एग्जिट और ट्रैक बिछाने का काम शुरू होगा। इसके अलावा स्टेशन के अंदर के काम रफ्तार पकड़ेंगे।

अलकापुरी स्टेशन पर गर्डर रखने का काम किया गया। ● नवदुनिया

**1368वां गर्डर का आखिरी:** भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कारिडोर में आठ स्टेशन के निर्माण कार्य चल रहे है। एक स्टेशन पर कुल 171 गर्डर रखे गए हैं। यह आखिरी गर्डर अलकापुरी स्टेशन पर रखा गया है। वहीं मेट्रो के पांच स्टेशनों पर लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यहां पर अभी इंटीरियर समेत अंदरूनी काम ही बचे हैं। अलकापुरी, एम्स और डीआरएम आफिस स्टेशनों पर गर्डर लांचिंग के साथ 40 प्रतिशत तक काम पूरा कर लिया गया है।

**6.22 किलोमीटर लंबा है प्रायोरिटी कारिडोर :** भोपाल में मेट्रो का 6.22 किलोमीटर लंबा प्रायोरिटी कारिडोर है, जो सुभाष नगर से एम्स के बीच है। इस दौरान आठ स्टेशन हैं, जिसमें से सुभाष नगर, डीबी माल, एमपी नगर, केंद्रीय विद्यालय और रानी कमलापति स्टेशन पर पिछले साल की गर्डर, ट्रैक की लान्चिंग हो चुकी है, लेकिन अलकापुरी, एम्स, डीआरएम आफिस स्टेशनों का काम शुरू नहीं हो सका था।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 21 | हरि भूमि | भोपाल | 20.05.2024 | 03 | एम्स तक के प्राइऑरटी कोरिडोर पर आखिरी गर्डर भी हुआ लॉन्च | Neutral |

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 20 मई 2024
3

# एम्स तक के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर आखिरी गर्डर भी हुआ लांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

## अंतिम ट्रायल रन 110 की स्पीड पर होगा, अभी 80 पर दौड़ रही मेट्रो

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच अब तक की सबसे ज्यादा 80 की स्पीड में मेट्रो दौड़ चुकी है। इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि जब भी मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होगा, तब यही रफ्तार रहेगी। जबकि अंतिम ट्रायल रन 110 किमी प्रति घंटे का होना है। मेट्रो कंपनी के अनुसार अभी ट्रायल रन सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक चलना है।

रानी कमलापति से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम दो माह बाद शुरू होगा। क्योंकि अंतिम गर्डर का काम रविवार को पूरा हो गया। यह गर्डर अलकापुरी रेलवे स्टेशन के लिए लांच किया गया। हबीबगंज रेलवे क्रासिंग पर स्टील ब्रिज बिछाने का काम चल रहा है। इसके बनने के बाद ही ट्रैक बिछाने का काम शुरू होगा।

### खास बातें

- रानी कमलापति से एम्स तक ट्रैक बिछाने में अभी दो माह और लगेंगे

### प्रायोरिटी कॉरिडोर में कुल 1368 गर्डर

सुभाष नगर से एम्स तक के प्रायोरिटी कॉरिडोर के कुल 8 स्टेशन हैं। इन स्टेशन का काम भी अंतिम चरण में है। आखिरी गर्डर अलकापुरी स्टेशन पर रखा गया। इसके 3 स्टेशन, अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस पर ट्रैक बिछाकर एंट्री और दीवारें बनाने का काम शुरू होगा। प्रायोरिटी कॉरिडोर 6.22 किमी लंबा है, जो सुभाष नगर से एम्स के बीच है।

### यह काम बाकी

मेट्रो कंपनी द्वारा जुलाई माह में ट्रैक बिछाने वाली कंपनी को प्रायोरिटी कॉरिडोर सौंपना था, लेकिन इसमें अभी और समय लग सकता है। क्योंकि आखिरी गर्डर लांच होने के बाद स्टेशन का काम बाकी है। साथ ही अभी तक स्टील ब्रिज को लेकर भी समय लग रहा है। इसके लिए रेलवे का ब्लाक मिलना है। इसके बाद ही ट्रैक बिछाने वाली कंपनी को कॉरिडोर सौंपा जाएगा। इसमें कम से कम दो माह का वक्त लगेगा।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 22 | राज एक्स्प्रेस | भोपाल | 20.05.2024 | 05 | अलकापुरी स्टेशन पर रखा आखिरी गर्डर, अब ट्रैक बिछाने की तैयारी | Neutral |

राज एक्सप्रेस
सोमवार, 20 मई, 2024
महानगर
भोपाल
5
www.rajexpress.com

# अलकापुरी स्टेशन पर रखा आखिरी गर्डर, अब ट्रैक बिछाने की तैयारी

## भोपाल मेट्रो: देर रात कंपनी ने 1368वें गार्डर की लांचिंग का काम पूरा किया

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

भोपाल मेट्रो का अलकापुरी स्टेशन पर आखिरी गर्डर लांच हो गया है। यह 1368वां गर्डर था, जिसे लांच करने के लिए तीन दिन से 24 घंटे काम चल रहा था। गर्डर लांच होने के आग मेट्रो कंपनी ट्रैक बिछाने का काम शुरू करने जा रही है। गौरतलब है कि भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के कुल 8 स्टेशन हैं। इसके 3 स्टेशन अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस हैं, जिस पर ट्रैक बिछाया जाना है। इसके अलावा दीवारें बनेंगी।

दरअसल भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर में अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस स्टेशन का काम अक्टूबर 2023 से रुका हुआ था। अब जाकर इसकी आखिरी गर्डर शनिवार की देर रात लांच हो गई है। भोपाल मेट्रो का 6.22 किमी लंबा यह प्रायोरिटी कॉरिडोर है। इसका पहला स्टेशन सुभाष नगर और अंतिम एम्स स्टेशन है। जिसमें कुल 8 स्टेशन हैं। मेट्रो कंपनी के मुताबिक सुभाष नगर, डीबी मॉल, एमपी नगर, सेंट्रल स्कूल और रानी कमलापति स्टेशन पर गर्डर की लांचिंग होने के साथ ही ट्रैक बिछ चुका है। कंपनी के मुताबिक एक स्टेशन पर 171 गर्डर हैं। इस तरह कुल 1368 गर्डर लॉन्च किए गए हैं।

### 5 स्टेशनों के अंदरूनी काम बाकी

मेट्रो रूट के 5 स्टेशनों पर ट्रायल हो चुका है। इसमें लगभग 90 प्रतिशत काम पूरे हो गए, लेकिन अंदरूनी काम बाकी हैं। शनिवार देर रात आखिरी गर्डन लांचिंग के साथ ही अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस स्टेशनों के 40 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अब यहां ट्रैक बिछाया जाना बाकी है।

### सुभाष नगर-आरकेएमपी का ट्रायल रन हुआ सफल

सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच हाल ही मे मेट्रो कोच को ट्रैक पर दौड़ाकर ट्रायल रन किया गया। इस ट्रायल को मेट्रो ने सफल बताते हुए दावा किया है कि जब भी मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होगा, तब यही रफ्तार रहेगी। क्योंकि इसकी गति 80 किलोमीटर रही। गौरतलब है कि मेट्रो पहली बार 3 अक्टूबर 2023 को ट्रैक पर दौड़ी थी। सबकुछ ठीक रहा तो शहरवासी साल के अंत तक मेट्रो के सफर का आनंद ले सकते है।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 23 | दैनिक जागरण | भोपाल | 20.05.2024 | 05 | अलकापुरी स्टेशन पर रखा गया आखिरी गर्डर | Neutral |



# अलकापुरी मेट्रो स्टेशन पर रखा गया आखिरी गर्डर

**जागरण भोपाल।** भोपाल मेट्रो के तहत निर्माणाधीन अलकापुरी स्टेशन पर शनिवार-रविवार दरमियानी रात को आखिरी 1368वां गर्डर रखा गया। इस गर्डर के रखने के साथ ही प्रायोरिटी कारिडोर में रोड के काम लगभग पूरे हो चुके हैं। लिहाजा अब स्टेशनों के अंदर के काम में तेजी आएगी। भोपाल मेट्रो के अनुसार ब्लाक वाल, लिफ्ट, एस्केलेटर, स्टेयर, एंट्री एग्जिट और ट्रैक बिछाने का काम शुरू होगा। इसके अलावा स्टेशन के अंदर की फिनिशिंग, टाइल्स के काम रफ्तार पकड़ेंगे। आखिरी गर्डर रखे जाने पर मेट्रो के एमडी सिबी चक्रवर्ती ने भोपाल मेट्रो की पूरी टीम को बधाई दी है।

**अब प्रोजेक्ट के अंदर के काम पकड़ेंगे रफ्तार**

## 1368वां गर्डर का आखिरी

भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कारिडोर में आठ स्टेशन के निर्माण कार्य चल रहे है। एक स्टेशन पर कुल 171 गर्डर रखे गए हैं। यह आखिरी गर्डर अलकापुरी स्टेशन पर रखा गया है। वहीं मेट्रो के पांच स्टेशनों पर लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यहां पर अभी इंटीरियर समेत अंदरूनी काम ही बचे हैं । अलकापुरी, एम्स और डीआरएम आफिस स्टेशनों पर गर्डर लान्चिंग के साथ 40 प्रतिशत तक काम पूरा कर लिया गया है । अब अलकापुरी, एम्स और डीआरएम आफिस पर ट्रैक बिछाकर, एंट्री दीवारें बनाने का काम शुरू होगा।

## 6.22 किमी लंबा है प्रायोरिटी कारिडोर

भोपाल में मेट्रो का 6.22 किलोमीटर लंबा प्रायोरिटी कारिडोर है, जो सुभाष नगर से एम्स के बीच है । इस दौरान आठ स्टेशन हैं, जिसमें से सुभाष नगर, डीबी माल, एमपी नगर, केंद्रीय विद्यालय और रानी कमलापति स्टेशन पर पिछले साल की गर्डर, ट्रैक की लान्चिंग हो चुकी है, लेकिन अलकापुरी, एम्स और डीआरएम आफिस स्टेशनों का काम शुरू नहीं हो सका था। अक्टूबर 2023 में स्टेशनों का काम भी शुरू किया गया।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 24, | दैनिक भास्कर | भोपाल | 20.05.2024 | 02 | तय समयसीमा से 11 महीने बाद अलकापुरी मे रखा आखिरी गर्डर | Negative |

दैनिक भास्कर भोपाल 20-05-2024 Pg-02

भोपाल मेट्रो की धीमी रफ्तार... दिसंबर 2023 तक पूरे होने थे सभी 8 स्टेशन

# तय समयसीमा से 11 महीने बाद अलकापुरी में रखा आखिरी गर्डर

विशेष संवाददाता | भोपाल

भोपाल मेट्रो के पहले चरण में बन रहे 8 स्टेशनों का आखिरी गर्डर देर रविवार रात अलकापुरी मेट्रो स्टेशन पर रखा गया। पहला गर्डर नवंबर 2022 को रखा गया था। यह काम जून 2023 तक पूरा होना था। यानी गर्डर रखने का काम तय समय सीमा से लगभग 11 महीने लेट है।

रविवार देर रात रखा गया यह 1368 वां गर्डर है। इसके बाद सभी 8 स्टेशनों का बाहरी स्ट्रक्चर बनकर तैयार हो गया है। हालांकि, काम अभी भी तय टारगेट से काफी पीछे है।

**अभी स्टेशनों का काफी काम बाकी...** टाइमलाइन के मुताबिक सुभाष नगर से एम्स तक प्रायोरिटी कॉरिडोर के सभी 8 स्टेशन दिसंबर 2023 तक बनकर तैयार हो जाने थे। लेकिन इस हिस्से में अभी ट्रैक, स्लैब कास्टिंग, बिजली सप्लाई लाइन और थर्ड लाइन का काम बाकी है।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 25 | पत्रिका | भोपाल | 23.05.2024 | 03 | मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट: ट्रैक पर मेट्रो को 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चला रहे | Neutral |

**मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट:** ट्रेक पर मेट्रो को 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चला रहे

# एक माह में लगेंगे 15 हजार किमी के फेरे

**भोपाल @ पत्रिका.** मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत मेट्रो ट्रेन की स्पीड समेत सिग्नलिंग और अन्य मामलों में ट्रैक पर टेस्टिंग की रूपरेखा तय हो गई है। अगले एक माह में पांच मेट्रो रैक करीब पंद्रह हजार किमी तक दूरी के फेरे लगाएगी। सुभाष मेट्रो स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक करीब चार किमी की दूरी में ही घुमकर ये ट्रेन टेस्टिंग के फेरे पूरे करेगी। मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती ने इसे लेकर बुधवार को संबंधित अफसरों-इंजीनियरों से बैठक की। मौजूदा ट्रेक पर इसे 80 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाया जा रहा हैं। पांच रैक को इसी रफ्तार से दौड़ाया जाएगा। मेट्रो ट्रायल में 750 डीसी करंट, सिग्नलिंग सिस्टम से लेकर ट्रैक समेत रैक की स्थिति, स्टेशन पर प्लेटफार्म, लाइटिंग व अन्य मामलों को देखा जा रहा हैं। अब आगामी एक माह तक आपको ये ट्रेन चलती नजर आ सकती हैं। कोशिश की जा रही हैं कि ट्रायल रात के समय हो, ताकि ट्रैक के नीचे लोगों की भीड़ न लगे। अभी भोपालवासियों के लिए ट्रेन नई चीज हैं और ट्रायल के समय लोग मेट्रो ट्रैक पर चलती ट्रेन देखने नीचे सड़क पर जुट जाते हैं।

गणेश मंदिर के पास चल रहा मेट्रो का काम।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 26 | हरि भूमि | भोपाल | 23.05.2024 | 02 | स्पीड टेस्टिंग पूरी होने के बाद अब हर ट्रेन को दौड़ा रहे 3 हजार किमी, आखिरी ट्रायल होगा 110 की स्पीड पर | Neutral |

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 23 मई 2024



मेट्रो निर्माण प्रगति पर स्टॉक होल्डर्स सहित अधिकारियों ने की कार्यों की समीक्षा

# स्पीड टेस्टिंग पूरी होने के बाद अब हर ट्रेन को दौड़ा रहे 3 हजार किमी, आखिरी ट्रायल होगा 110 की स्पीड पर

## शेष बचे कामों को जल्दी करने पर भी चर्चा कर अधिकारियों ने रूपरेखा तैयार की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र मेट्रो कंपनी की अमम बैठक बुधवार को स्टॉक होल्डर्स सहित कांट्रेक्टर,संबंधित कंपनी व अफसरों की मौजूदगी में हुई। एमडी सिबी चक्रवर्ती ने भोपाल मेट्रो के कार्यों पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए अलकापुरी स्टेशन पर कॉरिडोर के आखिरी गर्डर लांच करने पर बधाई दी। साथ ही स्टील ब्रिज सहित अन्य बचे कामों के बारे में भी चर्चा की। इस समय रफ्तार को लेकर सफलता पूर्वक चल रहे इस ट्रायल रन के बाद अब कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी को डॉक्यूमेंट सबमिट करने की प्रोसेस भी शुरू कर दी गई है। अब दिल्ली से टीम आएगी और सभी कार्यों की बारीकी से जांच करेगी। इसके पहले आखिरी ट्रायल रन 110 की स्पीड से होगा।

### बिजली के लिए बिछ चुकी तीसरी रेल पटरी

सुभाष नगर से रानी कमलापति तक ट्रैक के साथ ही बिजली के लिए तीसरी रेल पटरी बिछ चुकी है। इसके अलावा दूसरे काम भी पूरे हो चुके हैं। कमर्शियल रन से पहले सुरक्षा के लिहाज से कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम जांच करती है। जिसमें वह ट्रैक के नट-बोल्ट तक देखती है।

### सब-कुछ ठीक मिला तो रिपोर्ट देगी टीम

निरीक्षण में यदि सबकुछ पैमाने और सुरक्षा के लिहाज से परफेक्ट मिलता है तो सीएमआरएस की टीम रिपोर्ट देगी। इसके बाद कमर्शियल रन की तारीख तय कर दी जाएगी।

### 3 कोच की एक ट्रेन 3000 किमी दौड़ेगी

अधिकारियों के अनुसार भोपाल में अब तक 3 गुणा 3 कोच की 5 ट्रेन आ चुकी हैं। प्रायोरिटी कॉरिडोर में इतनी ही ट्रेन जरूरी हैं। ट्रैक पर 80 की स्पीड टेस्टिंग पूरी होने के बाद अब हर ट्रेन को 3 हजार किमी दौड़ रहे हैं। भविष्य में रफ्तार बढ़ सकती है।

अभी ट्रैक और स्टेशनों पर काफी काम बाकी है। 6.22 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर है। सुभाषनगर से आरकेएमपी तक 5 स्टेशन भी शामिल हैं।

### मेट्रो पिलर के पास रखे 25 नग केपलर चोरी

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित सुभाष नगर फाटक के पास मेट्रो पिलर की निर्माण सामग्री चोरी हो गई। पुलिस के अनुसार रामनगर सतना के अनिल मिश्रा (52) भोपाल मेट्रो रेलवे परियोजना में सिक्योरिटी सुपरवाइजर हैं। 17 मई की रात करीब 12 बजे उन्हें सूचना मिली कि मेट्रो पिलर के पास रखे 25 नग केपलर और 39 कनेक्टिंग पिन नहीं हैं। आसपास तलाश करने के बाद भी जब सामान का कुछ पता नहीं चला तो अनिल ने थाने जाकर चोरी की शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेट्रो स्टेशन को बनाने का काम तीव्र गति से चल रहा है। अब एस्क्लेटर भी लगने लगे हैं

MP METRO NEWS
24th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 27 | दैनिक भास्कर | भोपाल | 24.05.2024 | 02 | दिल्ली की तर्ज पर मेट्रो स्टेशन पर कैफे, फूड जोन, विज्ञापन ओर किराये से होगी कमाई, 20% खर्चा इसी से निकलेगा | Neutral |

दैनिक भास्कर भोपाल 24-05-2024 Pg-02

# भोपाल फ्रंट पेज

सूर्यास्त (शुक्रवार) 6:59 बजे | सूर्योदय (शनिवार) 5:36 बजे

शुक्रवार 24 मई, 2024 | 2

**टीओडी प्लान** • अब मेट्रो के आसपास होगा शहर का विकास, 500 मी. में पार्किंग-साइडवॉक, साइकिल ट्रैक बनेंगे

# दिल्ली की तर्ज पर मेट्रो स्टेशनों पर कैफे, फूड जोन, विज्ञापन और किराये से होगी कमाई, 20% खर्चा इसी से निकलेगा

## कंपनी ने मांगी मेट्रो रूट के आसपास जमीन की जानकारी

विवेक त्रिवेदी | भोपाल

राजधानी में मेट्रो चलाने का 20 फीसदी खर्चा मेट्रो स्टेशनों पर कैफे-फूड जोन और अन्य दुकानों के साथ विज्ञापन से निकाला जाएगा। दिल्ली सहित देश के अन्य शहरों में भी किराए के अलावा इसी तरह के अन्य तरीकों से मेट्रो कमाई कर रही है। इस तरह की कमाई को नॉन फेयर बॉक्स रेवेन्यू कहा जाता है। भोपाल मेट्रो रेल कंपनी इसका प्लान तैयार कर रही है।

पिछले दिनों केंद्र सरकार के शहरी विकास सचिव अनुराग जैन ने भोपाल में मेट्रो की समीक्षा के दौरान नॉन फेयर बॉक्स रेवेन्यू के मॉडल पर योजना बनाने को कहा था। उसके बाद मेट्रो रेल कंपनी ने कवायद शुरू की है। सुभाष नगर से एम्स तक के 6.22 किमी के प्रायोरिटी रूट पर कुल 8 स्टेशन बन रहे हैं। हर स्टेशन पर कैफे, शॉप्स, फूड प्लाजा सहित यात्री सुविधाएं विकसित करके अतिरिक्त आय जुटाई जाएगी। शहर में दो तरह के स्टेशन बनेंगे। पहले ऊंचाई पर बने यानी एलिवेटेड और दूसरे टनल यानी अंडरग्राउंड होंगे। दो ही स्टेशन- भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड ही अंडरग्राउंड होंगे।

## भोपाल मेट्रो पर एक नजर

सुभाष नगर से एम्स तक 6.22 किमी के प्रायोरिटी रूट पर 8 स्टेशन बन रहे

**मेट्रो फेज-1 (ऑरेंज लाइन) करोंद से एम्स**

• कुल लंबाई 11.99 किलोमीटर। सुभाष नगर से एम्स के बीच 6.22 किमी में काम जारी

कुल 16 स्टेशन बनेंगे

**फेज-2 (ब्लू लाइन) भदभदा से रत्नागिरी**

• कुल लंबाई 12.91 किलोमीटर। भोपाल स्टेशन-नादरा बस स्टैंड अंडरग्राउंड होंगे

कुल 14 स्टेशन बनेंगे

• बैरागढ़ से अवधपुरी, भौंरी से वसंत कुंज-अशोका गार्डन तो मदर टेरेसा स्कूल और हबीबगंज नाका से मंडीदीप रूट भी प्रस्तावित।

**विकास पटरी पर**

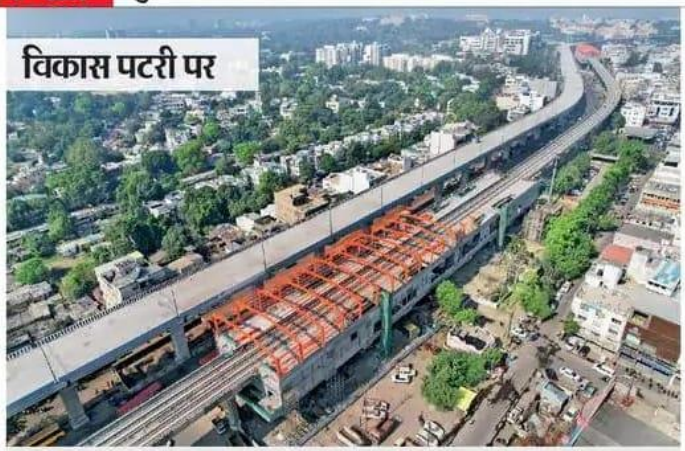

**एलिवेटेड स्टेशन की लंबाई 50 से 100 मी होगी...** एलिवेटेड स्टेशन की लंबाई 50 से 100 मीटर होगी, जबकि टनल स्टेशन 100 से 200 मी. लंबा होगा। अगर मेट्रो के दोनों रूट की बात की जाए तो कुल 30 स्टेशन बनेंगे। एलिवेटेड पर स्टेशन बॉक्स में और अंडरग्राउंड स्टेशन पर जमीन के नीचे और जमीन के ऊपर कमर्शियल सुविधाएं विकसित होंगी।

## स्टेशन के पास बफर जोन में बनेंगे कमर्शियल स्पेस

• मेट्रो स्टेशन के पास का 500 मी. एरिया में ग्रीन स्पेस, फुटपाथ और साइकिल ट्रैक जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। अगले 1000 मी. में बफर जोन में रेजिडेंशियल-कमर्शियल स्पेस डेवलप होंगे।

• ट्रांसिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) की पॉलिसी के तहत इस इलाके में अधिक एफएआर मिलेगा। प्रीमियम एफएआर खरीदने के लिए शासन को जो राशि मिलेगी मेट्रो रेल कंपनी को भी इसका एक हिस्सा मिल सकता है।

• अभी शहर में एफएआर 1.25 है, जबकि इसे टीओडी के तहत 4 से 5 तक किया जा सकता है। मेट्रो रेल कारपोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक भोपाल में मास्टर प्लान अभी आना है, इसलिए विकास की काफी संभावनाएं हैं।

टिकट पर निर्भरता कम करने के लिए 20% नॉन-फेयर रेवेन्यू लाने की कोशिश है। स्टेशनों पर कमर्शियल सुविधाएं विकसित करेंगे। रूट के दोनों ओर कोशिश होगी कि बढ़े हुए एफएआर से हाईराइज कल्चर विकसित हो। यानी मेट्रो के साथ शहर विकसित हो। सभी विभागों के साथ इस पर काम करना होगा। **-सिबी चक्रवर्ती,** एमडी, एमपी मेट्रो कार्पोरेशन

MP METRO NEWS

25th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 28 | पत्रिका | भोपाल | 25.05.2024 | 02 | सुभाष नगर स्टेशन बनकर तैयार, ड्रोन से होगी उपकरणों की सुरक्षा | Neutral |

MY CITY माय सिटी 03 पत्रिका
भोपाल, शनिवार, 25 मई 2024

पत्रिका के 17वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

#MetroTrain मेट्रो को दिसंबर 2024 तक आमजन के लिए शुरू करने की नई समय सीमा तय

# सुभाषनगर स्टेशन बनकर तैयार, ड्रोन से होगी उपकरणों की सुरक्षा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**भोपाल.** मेट्रो ट्रेन को दिसंबर 2024 तक आमजन के लिए शुरू करने नई समय सीमा तय की हैं। सुभाषनगर स्थिति मेट्रो स्टेशन अब पूरी तरह से बनकर तैयार हैं। यहां यात्रियों सुविधा का ध्यान रखा गया हैं। इससे पहले प्रायोरिटी कॉरीडोर से जुड़े काम पूरे किए जा रहे हैं। एलीवेटेड मेट्रो लाइन से लेकर स्टेशन और अन्य उपकरणों की सुरक्षा के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाएगा। अंतिम चरण की तैयारियां हो रही हैं।

सुभाषनगर स्थित मेट्रो स्टेशन पूरी तरह से बनकर तैयार।

## एक माह तक लगातार ट्रायल होगा

ड्रोन को मेट्रो लाइन से ऊपर उड़ाकर मॉनीटरिंग पुख्ता की जाएगी। गौरतलब है कि अक्टूबर में मेट्रो का ट्रायल हो चुका है। अब अगले एक माह तक लगातार ट्रायल होगा। पांच रैक को दौड़ाया जाएगा। मेट्रो रेलवे ट्रैक की मॉनीटरिंग मैन्युअली ट्रैक मैन से नहीं होगी। इसके लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग होगा। ट्रेक पर नजर रखने के लिए इसका प्रयोग होगा। मेट्रो ट्रेन के मौजूदा कोच पर ग्राफीन के साथ टाइटेनियम जैसी धातु की परत चढ़ाई हुई है। रैक को बेहद हल्का रखकर उसकी मजबूती दी गई है।

**MP METRO NEWS**

**28th May 2024**

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 29 | हरि भूमि | भोपाल | 28.05.2024 | 12 | मेट्रो परियोजना फेज 2 को लेकर अफ़सरों ने किया मंथन | Neutral |



# मेट्रो परियोजना फेस-2 को लेकर अफसरों ने किया मंथन

**भोपाल।** भोपाल मेट्रो रेल कॉरिडोर के साथ मेट्रो फेस-2 की आगामी योजनाएं जिसमें भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास मुद्दों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय बैठक सोमवार को एमडी, एमपीएम सिबी चक्रवर्ती की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और आयुक्त बीएमसी हरेंद्र नारायण, एमपीएम से निदेशक परियोजनाएं अजय शर्मा, निदेशक एस, शोभित टंडन, महाप्रबंधक सिविल वाईसी शर्मा और संजय सिंह,एजीएम (प्रोजेक्ट्स) हरिओम शर्मा, डीजीएम (सामाजिक) अरविंद कुमार सोनी, डीजीएम (पर्यावरण) डॉ. राजेश प्रजापति मौजूद रहे।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 30 | नवदुनिया | भोपाल | 28.05.2024 | 02 | मेट्रो निर्माण के लिए भूमि और पुनर्वास के मुद्दों पर की चर्चा | Neutral |



## मेट्रो निर्माण के लिए भूमि और पुनर्वास के मुद्दों पर की चर्चा

भोपाल : भोपाल मेट्रो रेल कारिडोर के साथ भूमि, पुनर्वास और पुनर्वास मुद्दों को लेकर सोमवार को जिला प्रशासन के साथ समन्वय बैठक हुई। बैठक में मेट्रो की आरेंज और ब्लू लाइन कारिडोर में सरकारी जमीन से संबंधित मामले पर चर्चा की गई। साथ ही प्रोजेक्ट के अगले चरण के कामों के द्वारा जनता की सुरक्षा और सुविधा के लिए रूट प्लानिंग पर चर्चा की गई। बैठक में भोपाल मेट्रो के एमडी सिबी चक्रवर्ती, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, निगमायुक्त हरेंद्र नारायन, एमपीएम अधिकारी अजय शर्मा आदि उपस्थित रहे। -नप्र

**MP METRO NEWS**

**29th May 2024**

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | Times of India | Bhopal | 29.05.2024 | 3 | Major push to Metro work likely after poll code ends | Neutral |



# Major push to Metro work likely after poll code ends

## MPMRCL Holds Meet With Dist Administration

Jamal.Ayub
@timesgroup.com

MPMRCL officials & district administration meet to discuss Metro work

**Bhopal:** With model election code of conduct set to end on June 4, Bhopal Metro rail project is expected to gain significant momentum. After a trial run that was held last September, the project is behind announced schedule of start of passenger mode by mid-2024 for stretch from Depot to AIIMS Bhopal.

On Monday, the Madhya Pradesh Metro Rail Development Corporation Limited (MPMRCL) held a coordination meeting with district administration to discuss various issues related to land, resettlement and rehabilitation along the Bhopal Metro rail corridor. The meeting primarily focused on addressing concerns regarding government-owned land along the Orange and Blue line corridors.

The Orange line, which connects Karond to AIIMS Bhopal, is currently under construction, with Metro rail trials already underway. This progress demonstrates the project's advancement. Simultaneously, preparations are being made to initiate construction activities along the Blue line, which will link 'Bhadbhada to Ratnagiri intersection'.

The meeting was chaired by MPMRCL MD Sibi Chakkravarthy and attended by key officials, including Bhopal collector Kaushlendra Vikram Singh and BMC commissioner Harendra Narayan. MPMRCL was also represented by several officials, including Ajay Sharma, director of projects, and Shobhit Tandon, additional director of technical. Others present were YC Sharma and Sanjay Singh, general managers, Hari Om Sharma, AGM (projects), Arbind Kumar Soni, DGM (social) and Rajesh Prajapati, DGM (environment).

The discussions highlighted the importance of resolving challenges related to right of way and securing administrative support to ensure timely execution of the project. According to the agreement, MPMRCL will provide compensation for verified individual claims.

The swift resolution of these claims is crucial to prevent any delay that could hinder the project's progress.

With the letter of acceptance (LoA) already awarded to contractor, the focus now lies on ensuring that MPMRCL has smooth operational rights to facilitate the seamless development of the Bhopal Metro rail.

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 32 | दैनिक भास्कर | भोपाल | 29.05.2024 | 07 | अतिक्रमण हटाने, पुनर्वास के लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन लेगा जिला प्रशासन की मदद | Neutral |

दैनिक भास्कर भोपाल 29-05-2024 Pg-07

### मेट्रो रूट के टनल स्टेशनों के लिए ली जानी है जमीन

# अतिक्रमण हटाने, पुनर्वास के लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन लेगा जिला प्रशासन की मदद

विशेष संवाददाता | भोपाल

भोपाल में प्रस्तावित मेट्रो रूट के आसपास जमीनों के अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाने और विस्थापितों के पुनर्वास के लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन जिला प्रशासन की मदद लेगा। अभी 6.22 किमी लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर में 5 स्टेशनों का निर्माण हो चुका है, जबकि तीन स्टेशनों का निर्माण बाकी है। वहीं भोपाल जंक्शन और नादरा बस स्टैंड के लिए बनने वाले टनल स्टेशनों के लिए भी जमीन ली जानी है।

आगे के चरणों के काम के लिए अब मेट्रो कॉर्पोरेशन तैयारी कर रहा है। आचार संहिता हटने के बाद सुभाषनगर से करोड़ के बीच के हिस्से पर काम होगा। सुभाषनगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी मॉल, एमपी नगर और आरकेएमपी में बने स्टेशन 80 % पूरे हो चुके हैं। इसी के सिलसिले में मेट्रो कॉर्पोरेशन इसी के सिलसिले में कॉर्पोरेशन के अधिकारियों और जिला कलेक्टर -नगर निगम कमिश्नर के बीच बैठक हुई थी। इसमें मेट्रो के निर्माण में जमीन को लेकर आ रही दिक्कतों और पुनर्वास को लेकर चर्चा हुई।

अभी बैरागढ़, निशातपुरा, करोंद, बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी के पास, भोपाल स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 के पास जमीन चाहिए। जबकि करोंद मंडी के पास टर्मिनल और डीआईजी बंगले के पास मेट्रो स्टेशन के लिए जमीन चाहिए।

## आरा मशीनों की शिफ्टिंग बाकी

ऐशबाग रेलवे लाइन से लगी हुई 50 आरा मशीनों की शिफ्टिंग होनी है। मामला लम्बे समय से अटका हुआ है। 3.39 किमी टनल रूट और दो टनल स्टेशन बनने हैं। स्टेशन एंट्री -एग्जिट के लिए भी जमीन चाहिए। इस पर भी बैठक में चर्चा हुई।

## प्रशासन और ननि की मदद लेंगे...

*मेट्रो का काम बड़ी प्राथमिकता से चल रहा है। प्रोजेक्ट में नई जमीनों के लिए और जहां काम में दिक्कत आ रही है, वहां जिला प्रशासन और नगर निगम की मदद ली जाएगी।*

**सिबि चक्रवर्ती,** एमडी, एमपी मेट्रो कॉर्पोरेशन

MP METRO NEWS
30th May 2024

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 33 | पीपुल्स समाचार | भोपाल | 30.05.2024 | 2 | भोपाल-इंदौर मे मेट्रो कॉरीडोर के पास 5 गुना एफएआर बढ़ाने का भेजा प्रस्ताव | Neutral |

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
न्यूज पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार
भोपाल सिटी Page: 2 May 30, 2024

## मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा प्रस्ताव

# भोपाल-इंदौर में मेट्रो कॉरिडोर के पास 5 गुना एफएआर बढ़ाने भेजा प्रस्ताव

अशोक गौतम ● भोपाल
मो.नं. 9827334317

भोपाल-इंदौर शहर में पांच गुना फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। मप्र प्रदेश रेल मेट्रो कारपोरेशन ने सरकार के पास इस तरह का एक प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव के अनुसार एफएआर सिर्फ मेट्रो रेल कॉरिडोर के आस-पास ही बढ़ाया जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद मेट्रो रेल लाइन के दोनों तरफ और स्टेशन के दोनों तरफ 500-500 मीटर तक हाईराइज भवन बनाए जा सकेंगे। यानी, प्लाट साइज का पांच गुना तक निर्माण हो सकेगा।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट (टीएनसीपी) इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। टीएनसीपी ट्रांजिट ओरियंटेड डेवलपमेंट (टीओडी)एफएआर बढ़ाने पर कैबिनेट के पास प्रस्ताव भेजेगा। वर्तमान में भूमि स्वामी के लिए 125 फीसदी एफएआर है। यानी प्लाट साइज के 1.25 गुना तक निर्माण किया जा सकता है। नगर निगम स्थान और परिस्थिति के अनुसार इस एफएआर को कम और ज्यादा कर सकेगा।

पीपुल्स समाचार विशेष

### ये होगा फायदा

- एफएआर बढ़ने से रेलवे लाइन के दोनों तरफ मार्केट बनाया जा सकेगा।
- भूमि स्वामी के जमीन की कीमत कई गुना बढ़ जाएगी।
- भवन का विस्तार ऊपर होने से नीचे की जगह में पार्किंग, पब्लिक स्पेस मिलेगा।
- रेलवे लाइन के दोनों तरफ फुटपाथ भी बनाया जा सकेगा।
- सीवेज, बिजली लाइन, पानी का नेटवर्क और यूटिलिटी डक्ट भी बन सकेंगे।

### मार्जिनल ओपन स्पेस में आ सकती है समस्या

नए प्रस्ताव में मार्जिनल ओपन स्पेस (एमओएस) प्लाट के चारों तरफ की एरिया छोड़ने के मामले में सरकार के सामने समस्या आ सकती है। वर्तमान में दो हजार के प्लाट साइज में सामने 3 मीटर, दो तरफ ढाई-ढाई मीटर जगह (एमओएस) छोड़नी पड़ती है, जिससे फायर सहित अन्य आपदा मशीन को तीन तरफ से प्रवेश कराया जा सके। नए प्रस्ताव में सामने की तरफ 7.5 और दो तरफ 6-6 मीटर छोड़ना पड़ेगा। इससे बिल्डिंग की चौड़ाई कम होगी।

### बसाया जा सकेगा बाजार

भोपाल के 27 और इंदौर के 33 मीटर के कॉरिडोर में पीपीपी मोड पर बाजार बसाया जा सकेगा। इससे बाहर की बड़ी-बड़ी कंपनियां इन क्षेत्रों में आउट लेट खोल सकेंगी।

### समझिए पांच गुना एफएआर को

उदारहण के तौर पर अगर आपका कंस्ट्रक्शन 1000 वर्ग फीट में है तो आप 5 हजार वर्ग फीट का कंस्ट्रक्शन कर सकते हैं। मगर इसे ऊपर ही करना पड़ेगा।

### कुछ बड़े शहरों में मेट्रो के दोनों तरफ FAR की स्थिति

- **दिल्ली:** देश की राजधानी दिल्ली में मेट्रो रेल के दोनों तरफ चार तक एफएआर तय किया गया है।
- **उत्तरप्रदेश :** उत्तर प्रदेश के लखनऊ मेट्रो के दोनों तरफ एफएआर बढ़ाया गया है।
- **गुजरात :** गुजरात के न्यू गांधी नगर में करीब 11 से 12 एफएआर तय किया गया है
- **हैदराबाद :** हैदराबार में मेट्रो के दोनों तरफ 9 से 13 तक एफएआर तय किया गया है।
- **इन शहरों में इस पर अमल भी शुरू :** लखनऊ और न्यू गांधी नगर में पब्लिक यूटिलिटी पर काम भी शुरू कर दिया गया है। यहां भी जल्द क्रियान्वयन होगा।

### शासन को भेजा है प्रस्ताव

एफएआर बढ़ाने का प्रस्ताव शासन के पास भेजा गया है। यह नीतिगत मामला है, सरकार की हाईपावर कमेटी इस पर निर्णय लेती है। नीति और निर्देश बनने के बाद कैबिनेट के सामने प्रस्ताव रखा जाता है।

सिबी चक्रवर्ती एम, एमडी, मध्य प्रदेश रेल मेट्रो कार्पोरेशन

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 34 | पीपुल्स समाचार | भोपाल | 30.05.2024 | 01 | इंदौर-भोपाल मे एक माह मेट्रो की यात्रा होगी फ्री | Neutral |

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी May 30, 2024

Pg-01

# इंदौर-भोपाल में एक माह मेट्रो की यात्रा होगी फ्री

## यात्रियों को ट्रेन के नियमों और उसके बारे में जानकारी के लिए दी जाएगी यह सुविधा

शैलेन्द्र वर्मा ● इंदौर
मो.नं. 9584460010

इंदौर-भोपाल में मेट्रो जल्द ही चलने वाली है। दोनों शहरों में इसका सफर कैसा होगा यह समझाने के लिए करीब एक माह तक यात्रियों को फ्री मेट्रो ट्रेन की सुविधा देने पर विचार किया जा रहा है। इंदौर और भोपाल के सुपर प्रायॉरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो ट्रेन चलने की समय सीमा सितंबर 2024 है।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कारपोर्रेशन भोपाल में 6.22 किमी सुभाष नगर से एम्स और इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर टीसीएस चौराहे तक 5.8 किलोमीटर में ट्रेन चलाने की तैयारी कर रहा है।

पीपुल्स समाचार विशेष

**दिव्यागों के लिए विशेष सुविधाएं:** इस यात्रा के दौरान यात्री मेट्रो में दिव्यांगो, महिलाओं और वृद्धों को दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जान सकेंगे। साथ ही उन्हें बताया जाएगा कि सफर में कौन सी सावधानियां रखनी होंगी।

**प्रणाली की जानकारी मिलेगी :** ट्रेन के अंदर और स्टेशन पर परिसर में क्या अनुमति है, क्या प्रतिबंधित है। टिकट प्रणाली क्या है, वहीं मेट्रो स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर दिव्यांगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

**ब्रेल में भी मिलेगी जानकारी :** यहां दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सीढ़ियों के साथ दिव्यांगों के लिए अलग से साइड रेलिंग और नीचे चलने के लिए विशेष प्रकार की टाइल्स लगाई जाएंगी। इससे दिव्यांग आसानी से मेट्रो रेल से आवागमन कर सकेंगे।

आम नागरिकों के लिए जब पहली बार किसी शहर में मेट्रो का संचालन शुरू किया जाता है, तो यात्रियों को जॉय राइडिंग की सुविधा दी जाती है। यह एक निश्चित अवधि के लिए नि:शुल्क सफर होता है।

– **शोभित टंडन**, डायरेक्टर तकनीकी सिस्टम, एमपीएमआरसीएल

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 35 | पीपुल्स समाचार | भोपाल | 30.05.2024 | 03 | मेट्रो: करोंद से सुभाष नगर तक ऑरेंज लाइन फेज-2 का काम शुरू, की जा रही स्वाइल टेस्टिंग | Neutral |

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी Page: 3 May 30, 2024

# मेट्रो: करोंद से सुभाष नगर तक ऑरेंज लाइन फेज-2 का काम शुरू, की जा रही स्वॉइल टेस्टिंग

## 8.77 किलोमीटर लंबा होगा ट्रैक, साढ़े तीन साल होगी निर्माण की डेडलाइन

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9300697983

सुभाष नगर से एम्स तक प्रॉयोरिटी कॉरिडोर में कमर्शियल रन की तैयारियों के बीच मेट्रो कंपनी ने सुभाष नगर से करोंद तक ऑरेंज लाइन के 8.77 किमी सेकंड फेज पर काम शुरू कर दिया है। फिलहाल स्वॉइल टेस्टिंग की जा रही है।

ऑरेंज लाइन करोंद से एम्स तक का रूट 14.99 किमी है। इसमें सुभाष नगर से एम्स तक 6.22 किमी का प्रॉयोरिटी कॉरिडोर है। इनमें 8 मेट्रो स्टेशनों के साथ ही 3.39 किमी रूट अंडरग्राउंड होगा। अंडरग्राउंड रूट पर दो मेट्रो स्टेशन होंगे। साढ़े तीन साल में काम पूरा होगा। पुल बोगदा, ऐशबाग, सिंधी कॉलोनी, डीआईजी बंगला, कृषि उपज मंडी करोंद में मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। प्रथम चरण में एम्स से करोंद तक 14.99 किमी लंबे ऑरेंज रूट का निर्माण होगा। इसमें 14 किमी का मार्ग एलिवेटेड और आरा मशीन के पास से सिंधी कॉलोनी तक का मार्ग भूमिगत होगा। इसके लिए जमीन के 20 मीटर नीचे टनल बनाई जाएगी।

### 900 मीटर कर्व की टनल बनेगी, 35 डिग्री से होगा प्रवेश

अधिकारियों ने बताया कि अंडरग्राउंट रूट पर 900 मीटर कर्व की टनल बनाई जाएगी। सबसे बड़ी टनल सिंधी कॉलोनी के पास बनेगी। एलिवेटेड रूट से अंडरग्राउंड स्टेशन में 35 डिग्री से मेट्रो ट्रेन का प्रवेश होगा। 125 डिग्री के कोण से मेट्रो भूमिगत स्टेशन से बाहर निकलकर एलिवेटेड रूट पर रवाना होगी। सुरंग में वेंटीलेशन की व्यवस्था होगी। इसमें कमरे के आकार के पंखे लगाए जाएंगे। हर स्टेशन पर ऐसे दो पंखे होंगे। ये पंखे धुआं बाहर निकाले के अलावा हवा अंदर भी फेंकेंगे।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 36 | हरि भूमि | भोपाल | 30.05.2024 | 03 | मेट्रो के दूसरे फेज का काम शुरू, ट्रैक बिछाने वाली कंपनी ने शुरू की मिट्टी की टेस्टिंग | Neutral |

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 30 मई 2024



# मेट्रो के दूसरे फेज का काम शुरू, ट्रैक बिछाने वाली कंपनी ने शुरू की मिट्टी की टेस्टिंग

## प्रायोरिटी कॉरिडोर के बाद अब इस फेज में बिछना है 8.77 किमी लंबी लाइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र मेट्रो कंपनी द्वारा भोपाल मेट्रो के दूसरे फेज का काम बुधवार से शुरू हो गया। इस फेज में सुभाष नगर से करोंद के बीच 8.77 किमी लंबी लाइन बिछेगी। इसके लिए करोंद में मिट्टी की जांच शुरू हो गई है। लाइन बिछाने वाली कंपनी ने करोंद से मिट्टी के सैंपल लेने शुरू कर दिए हैं। मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर में ट्रैक पर 80 किमी की स्पीड से ट्रेन दौड़ चुकी है और कमर्शियल रन को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

मेट्रो कंपनी के अनुसार दूसरे फेज पर करीब 1540 करोड़ रुपए खर्च होना है, जिसमें 8.77 किमी में से 3.39 किमी लंबा रूट अंडर ग्राउंड रहेगा। दो दिन पहले जिला प्रशासन और नगर निगम के साथ मेट्रो कंपनी अधिकारी चर्चा कर चुके हैं, जिससे जमीन का अधिग्रहण जल्दी हो सके। इस रूट पर 95 प्रतिशत सरकारी जमीन है। बाकी प्राइवेट लैंड भी हिस्से में आएगी।

### मेट्रो की ऑरेंज लाइन का हो चुका भूमिपूजन

**इन 6 जगहों पर बनेंगे मेट्रो स्टेशन**
- पुल बोगदा
- ऐशबाग
- सिंधी कॉलोनी
- डीआईजी बंगला
- कृषि उपज मंडी
- करोंद

सुभाष नगर से करोंद तक मेट्रो की ऑरेंज लाइन का भूमि पूजन मुख्यमंत्री कर चुके हैं। एम्स से करोंद तक का रूट कुल 14.99 किमी लंबा है। इसमें सुभाष नगर से एम्स के बीच 6.22 किमी का प्रायोरिटी कॉरिडोर है। रानी कमलापति, सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, बोर्ड ऑफिस के सामने और एमपी नगर के स्टेशनों का काम 90 प्रतिशत से ज्यादा पूरा हो चुका है। एम्स व अलकापुरी और डीआरएम ऑफिस स्टेशनों का सिविल वर्क पूरा हो चुका है। डीआरएम ऑफिस चौराहे पर स्टील ब्रिज का निर्माण हो रहा है। रेलवे ट्रैक के ऊपर से भी ब्रिज गुजरेगा। इसके लिए रेलवे से ब्लॉक मांगा गया है।

### मेट्रो कंपनी के दूसरे फेज के 2 प्रोजेक्ट

**650 करोड़ में 6 स्टेशन बनेंगे**

सुभाष नगर डिपो से करोंद तक के रूट में कुल 2 फेज में काम होगा। कुल 8.77 किलोमीटर में से 5.38 किलोमीटर के हिस्से में 6 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे।

**प्रोजेक्ट 1**

इसमें 650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सुभाष नगर, बोर्ड ऑफिस, एमपी नगर, केंद्रीय स्कूल, आरकेएमपी, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस और एम्स स्टेशनों का काम अंतिम चरण में है।

**अंडरग्राउंड रूट में होंगे भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड**

8.77 किमी के रूट में 3.39 किमी रूट अंडरग्राउंड होगा। इसमें 2 मेट्रो स्टेशन भोपाल रेलवे स्टेशन व नादरा बस स्टैंड भी रहेंगे। यह काम अलग कंपनी करेगी। इसके लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन के एमडी, कलेक्टर और निगम कमिश्नर समेत अफसरों के बीच मीटिंग हो चुकी है।

**प्रोजेक्ट 2**

**दूसरे फेज का काम तीन साल में होगा:** दूसरे फेज का साढ़े 3 साल में काम पूरा करने का टारगेट रहेगा। इसी अवधि में स्टेशन और ट्रैक बिछाया जाएगा।

### यहां से अंडरग्राउंड गुजरेगी मेट्रो सुरंगें

सिंधी कॉलोनी, ऐशबाग क्रॉसिंग से होती हुई भोपाल स्टेशन और नादरा बस स्टैंड को स्टेशनों के माध्यम से जोड़ेगी।

### दो स्टील ब्रिज बन रहे

मेट्रो के लिए दो स्टील ब्रिज बनाए जा रहे हैं। डीआरएम ऑफिस में पहले ब्रिज का काम तीन महीने से चल रहा है। दूसरा ब्रिज रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा।

| S.No. | Source | Edition | Date | Page | Context | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 37 | पत्रिका | भोपाल | 30.05.2024 | 02 | सोलर एनर्जी से चलेगी मेट्रो ट्रेन, ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन भी बनेंगे | Neutral |

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, गुरुवार 30 मई 2024 02

#MetroProject केंद्र ने बदलाव के लिए नई गाइडलाइन की तय; सालभर में 42 हजार उपकरण भोपाल में ही बनेंगे, 5000 को मिलेगा रोजगार

# सोलर एनर्जी से चलेगी मेट्रो ट्रेन, ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन भी बनेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**भोपाल.** मेट्रो ट्रेन सोलर एनर्जी से संचालित होगी। इतना ही नहीं मेट्रो परिसर में ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन पाइंट भी होंगे। बदलती स्थितियों के अनुसार केंद्र ने भोपाल मेट्रो ट्रेन के निर्माण व संचालन में बदलाव के लिए नई गाइडलाइन तय की हैं। इसमें मेट्रो में बिजली आपूर्ति से लेकर अंडरग्राउंड सिस्टम, लिफ्ट, टनल वेंटिलेशन समेत पर्यावरणीय प्रबंधन से जुड़े नियमों में बदलाव किया गया है। सिस्टम में अग्नि सुरक्षा के उपाय अंतरराष्ट्रीय मानकों की बजाय प्रदेश के नियमों के तहत होंगे। अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन में टनल वेंटिलेशन का काम जियोग्राफिक लोकेशन के अनुसार किया जाएगा।

## स्थानीय जरूरतों के अनुसार डिजाइन और सिविल अधोसंरचना में भी होगा बदलाव

पत्रिका स्पॉट लाइट

## इस तरह बदलाव

- लिफ्ट को वीएफडी सिस्टम से संचालित किया जाएगा बजाय कि स्टार्टर से। वीएफडी से पॉवर आपूर्ति अनियमितता होने पर भी लिफ्ट बंद नहीं होती।
- ई-व्हीकल पार्किंग एरिया विकसित होगा। इसके लिए बिजली का कनेक्शन स्थानीय रेट से अलग लिया जाएगा। मेट्रो का खर्चा घटेगा।
- बिजली आपूर्ति में अनियमितता के चलते यहां की एलईडी लाइट्स 140 ल्यूमिन की होगी, ताकि बल्ब खराब न हों।
- कोच व स्टेशन पर ऑक्यूपेंसी सेंसर लगे होंगे, लेकिन साथ ही मैन्यूअली संचालन की व्यवस्था भी होगी।
- फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम स्थानीय राज्य सरकार के फायर सेफ्टी नियमों के तहत होगा।
- पर्यावरणीय नियंत्रण सिस्टम भी पीसीबी के नियमों से होगा।
- केबल में एंटी कोरोसिव ट्रीटमेंट होगा।
- बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम स्काडा की बजाय सामान्य संचालन की तरह होगा।
- टनल वेंटिलेशन में अमेरिकन और ब्रिटिश स्टैंडर्स हैं, लेकिन इसकी बजाय नेशनल बिल्डिंग कोड ऑफ इंडिया के तहत ही काम होगा।

## स्थानीय स्तर पर बनेंगे उपकरण, बढ़ेगा रोजगार

मेट्रो के तमाम उपकरणों में भारतीय स्थितियों और मानकों के अनुसार ही काम होगा तो इससे जुड़े नए उद्यम भी शुरू होंगे। एक अनुमान के अनुसार एक साल में मेट्रो की जरूरत के करीब 42 हजार उपकरण भोपाल में ही बनेंगे।। 5000 से अधिक लोगों को इसमें रोजगार मिलेगा। इसमें फेब्रिकेशन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल उपकरण शामिल होंगे।

मेट्रो पूरी तरह से लोकल स्थितियों, परिस्थितियों के अनुसार ही विकसित की जा रही है। शासन के निर्देश के अनुसार मानक और नियमों के तहत ही काम पूरा किया जा रहा है।

**सीबी चक्रवर्ती,** एमडी मेट्रो ट्रेन